B.A. II Part Hons

Paper- IV - Group A

RESEARCH Methodology

Jai Ram Singh
Deptt of Psychology
Mahila College Dalmianagar
Dehri

HYPOTHESIS

FUNCTION OF HYPOTHESIS

Hypothesis को Research का Back bone माना गया है इसके आधार पर ही हमें यह पता चलता है कि किसी भी शोध की शुरुआत किस दिशा में और किस प्रकार की जाय। एक अच्छी परिकल्पना के द्वारा कुछ उद्देश्यों की प्राप्ति होती है जिसे उपकल्पना का कार्य कहा जाता है Hypothesis के कुछ मुख्य कार्य निम्नलिखित है।

① परिकल्पना शोध को सार्थक बनाती है → परिकल्पना शोध को सार्थक बनाती है इस सम्बन्ध में KERLINGER ने कहा है कि परिकल्पनाके उपयोग से शोधकार्य सार्थक बन जाते हैं तब तक उसकी सार्थकता स्पष्ट नहीं होती लेकिन जब समस्या को परिकल्पना में परिवर्तित कर दिया जाता है तो इसकी सार्थकता स्पष्ट हो जाती है।

② यह शोध के लिए दिशा निर्देशित करती है → परिकल्पना के द्वारा दिशा निर्देशन का कार्य भी होता है KERLinger ने इस सम्बन्ध में कहा है कि Hypothesis शोध -

②

कार्य के लिए रास्ता दिखलाने का काम करता है। परिकल्पना के आधार पर ही शोधकर्ता को यह पता चलता है कि हमें इस शोधकार्य में क्या करना है और क्या नहीं करना है हमें किस दिशा में प्रयास करना है और क्या प्रयास नहीं करना है अतः hypothesis के आधार पर शोधकर्ता अपनी सीमाओं को जान जाता है और व्यर्थ के प्रयासों से बच जाता है। इस सम्बन्ध में प्रो० पी० यंग का कहना है कि "परिकल्पना के द्वारा अनुसंधानकर्ता ऐसे तथ्यों को एकत्रित करने से बच जाता है जो बाद में अध्ययन विषय के लिए व्यर्थ होते हैं। अतः परिकल्पना की सहायता से जब शोधार्थी को एक उचित दिशा मिल जाती है तो अध्ययन कर्ता भी व्यर्थ के परिश्रम, समय और धन से बच जाता है

③ शोध के लिए आरम्भ बिन्दु प्रदान करती है →

परिकल्पना के आधार पर ही शोधकर्ता को शोधकार्य कहाँ से और कैसे आरम्भ करना है इसकी जानकारी प्राप्त होती है। परिकल्पना के निर्माण से शोधकर्ता को यह पता चल जाता है कि शोध अध्ययन कहाँ से शुरू किया जाय। इससे भी वह व्यर्थ के प्रयासों से बच जाता है उन्हें

सही दिशा मिल जाती है और सही मार्ग पर
चलकर अपने शोध को आगे बढ़ाता है।

(4) परिकल्पना सत्य की स्थापना में सहायक होती है
→ परिकल्पना के निर्माण के बाद उसके
परीक्षण की आवश्यकता होती है। परीक्षण
आनुभविक आधार पर किया जाता है परीक्षण
से प्राप्त परिणाम यदि प्राक्कल्पना के अनुरूप होते
हैं तो परिकल्पना सत्य प्रमाणित होती है और
यदि परिणाम प्रतिकूल होते हैं तो परिकल्पना
असत्य प्रमाणित होते हैं। चाहे यह सत्य
प्रमाणित हो या असत्य इन दोनों ही स्थितियों
में किसी की स्थापना होती है

(5) परिकल्पना समस्या के वैज्ञानिक समाधान में सहायक
होती है → परिकल्पना का एक मुख्य कार्य
समस्या का वैज्ञानिक ~~समाधान~~ समाधान
करना है। इस सम्बन्ध में Kerlinger ने कहा
है कि "परिकल्पना किसी समस्या के वैज्ञानिक
समाधान में दिशानिर्देशित करता है चूंकि
परिकल्पना परीक्षणीय होती है इसलिए समस्या
के आधार पर परिकल्पना का निर्माण किया
जाता है फिर आनुभविक अवलोकनों के आधार
पर इसे सत्य या असत्य सिद्ध किया जाता
है। अतः परिकल्पना समस्या के वैज्ञानिक ढंग
से समाधान में सहायता करती है।

(6) परिकल्पना सिद्धांत रचना में सहायक होती है
Hypothesis का

मुख्य कार्य सिद्धांतो का निर्माण करना है
किसी भी परिकल्पना का निर्माण किसी पूर्व स्थापित सिद्धांत के आधार पर होती है जब कोई शोधकर्ता नई परिस्थितियों के सन्दर्भ में किसी पुराने सिद्धांत की सार्थकता को देखने का प्रयास करता है तो परिकल्पना उसके कार्य [illegible] आसान बना देता है और परिकल्पना की सहायता से जो सामान्य निष्कर्ष प्राप्त होते हैं उसके आधार पर नये सिद्धांतो का निर्माण होता है

(7) परिकल्पना पूर्वकथन में सहायक होती है →
Hypothesis से किसी खास घटना के सम्बन्ध में भविष्यवाणी करने में मदद मिलती है। किसी शोध के परिणाम के आने के पूर्व उसके संभावित परिणाम की भविष्यवाणी करना Hypothesis द्वारा संभव हो पाता है। KERLINGER ने इस सम्बन्ध में कहा है कि "भविष्यवाणी करना परिकल्पना की एक विशिष्ट शक्ति है"

(8) परिकल्पना शोध के क्षेत्र को सीमित करती है →
KERLINGER के अनुसार Hypothesis का एक मुख्य कार्य शोध के क्षेत्र को सीमित करना है। Hypothesis के

(5)

द्वारा शोध का क्षेत्र सीमित हो जाता है क्योंकि इसमें दो या दो से अधिक चरों के बीच के सम्बन्धों की निश्चित दिशा मालूम हो जाती है इससे शोधकर्ता को काफी सुविधा होती है जबतक Hypothesis का निर्माण नहीं हुआ रहता है तबतक शोध का स्वरूप सामान्य रहता है परन्तु Hypothesis निर्माण के बाद इसका स्वरूप विशिष्ट हो जाता है अतः परिकल्पना के द्वारा शोध का क्षेत्र सिमट जाता है या केन्द्रित हो जाता है

(9) परिकल्पना विश्वसनीय ज्ञान को प्राप्त करने में सहायक होती है — परिकल्पना के सम्बन्ध में Kerlinger ने माना है कि परिकल्पना विश्वसनीय ज्ञान को ढूंढ निकालने का एक शक्तिशाली हथियार है" अतः परिकल्पना से विश्वसनीय ज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलती है

Hypothesis के वर्णित

उपरोक्त कार्यों के आधार पर हम निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते है कि शोधकार्य को वैज्ञानिक ढंग से पूरा करने के लिए Hypothesis की मुख्य भूमिका

(6)

होती है। ऐसा भी नहीं है कि hypothesis के अभाव में शोध कार्य नहीं किया जा सकता है परन्तु इसकी सफलता की पूरी उम्मीद नहीं की जा सकती है। KERLINGER ने ऐसा माना है कि आधुनिक विज्ञान में परिकल्पनाओं के बिना सफल शोधकार्य की कल्पना नहीं की जा सकती।

—x—